

प्रेषक,

कुँवर सिंह,
अपर सचिव,
उत्तरांचल शासन।

सेवा में,

प्रबन्ध निदेशक,
उत्तरांचल पेयजल संसाधन एवं निर्माण निगम,
देहरादून।

पेयजल अनुभाग-२

देहरादून: दिनांक: १५ फरवरी, २००६

विषय: ग्रामीण पेयजल राज्य सैक्टर के अन्तर्गत जनपद उधमसिंह नगर के विकास खण्ड जसपुर की हमीरवाला ग्राम समूह(आमका) पेयजल योजना की वर्ष २००५-०६ वित्तीय स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या १४१/अग्रैजल-उधमसिंह नगर/दिनांक १३.०१.२००६ के सम्बंध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि जनपद जनपद उधमसिंह नगर के विकास खण्ड जसपुर की हमीरवाला ग्राम समूह (आमका) पेयजल योजना के रू० १३३.८५ लाख के प्राक्कलन पर टी०ए०सी० के परीक्षणोपरान्त औचित्यपूर्ण पाई गई धनराशि रू० १२४.७४ लाख (रू० एक करोड़ चौबीस लाख चौहत्तर हजार मात्र) की लागत के आगणन पर प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति के साथ ही चालू वित्तीय वर्ष २००५-०६ में ग्रामीण पेयजल राज्य सैक्टर के अंतर्गत रू० २५.०० लाख (रू० पच्चीस लाख मात्र) की धनराशि व्यय हेतु आपके निर्वतन पर रखे जाने की भी श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

२- स्वीकृत धनराशि प्रबन्ध निदेशक, उत्तरांचल पेयजल संसाधन विकास एवं निर्माण निगम, देहरादून के हस्ताक्षर तथा जिलाधिकारी, देहरादून के प्रतिहस्ताक्षर युक्त बिल कोषागार देहरादून में प्रस्तुत करके, आवश्यकतानुसार किस्तों में आहरित की जायेगी तथा आहरण से सम्बन्धित वाउचर संख्या व दिनांक की सूचना गहलेखाकार उत्तरांचल, देहरादून तथा शासन को तुरन्त उपलब्ध करा दी जायेगी।

३ स्वीकृत की जा रही धनराशि का दिनांक ३१.०३.२००६ तक पूर्ण उपयोग कर कार्य की वित्तीय/भौतिक प्रगति का विवरण एवं उपयोगिता प्रमाणपत्र शासन को प्रस्तुत किया जाय। अवमुक्त की जा रही धनराशि के पूर्ण उपयोग एवं उपरोक्त विवरण उपलब्ध कराने के बाद ही आगामी किस्त की धनराशि स्वीकृत की जा सकेगी।

४ आगणन में उल्लिखित दरों का विश्लेषण विभाग के अधीक्षण अभियन्ता द्वारा स्वीकृत/अनुमोदित दरों को जो दरें शिड्यूल ऑफ रेट में स्वीकृत नहीं है अथवा बाजार भाव से ली गई हों, की स्वीकृति नियमानुसार अधीक्षण अभियन्ता का अनुमोदन आवश्यक होगा।

- 5- कार्य कराने से पूर्व विस्तृत आगणन/मानचित्र गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी होगी, बिना प्राविधिक स्वीकृति के कार्य को प्रारम्भ न किया जाय।
- 6- कार्य पर उतना ही व्यय किया जाय जितना कि स्वीकृत नार्म है। स्वीकृत नार्म से अधिक व्यय कदापि न किया जाय।
- 7- एक मुस्त प्राविधान को कार्य करने से पूर्व विस्तृत आगणन गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक होगा।
- 8- कार्य कराने से पूर्व समस्त औपचारिकतायें तकनीकी दृष्टि को मध्यनजर रखते हुए एवं लोक निर्माण विभाग/विभाग द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों के अनुरूप ही कार्य को सम्पादित करना सुनिश्चित किया जाय।
- 9- कार्य करने से पूर्व स्थल की भली भौति निरीक्षण उच्चाधिकारियों एवं भूगर्भवेत्ता के साथ अवश्य करा ले। स्थल निरीक्षण के पश्चात आवश्यकतानुसार निर्देशों तथा निरीक्षण टिप्पणी के अनुरूप कार्य किया जाय।
- 10- आगणन में जिन मदों हेतु जो राशि स्वीकृत की गई है उसी मद पर व्यय किया जाय। एक मद की धनराशि दूसरी मद में व्यय कदापि न किया जाय।
- 11- निर्माण सामग्री को प्रयोग में लाने से पूर्व सामग्री का किसी प्रयोगशाला से टेस्टिंग करा ली जाय तथा उपयुक्त पाई जाने वाली सामग्री को ही प्रयोग में लाया जाय।
- 12-कार्य की गुणवत्ता एवं समयबद्धता हेतु सम्बन्धित निर्माण ऐजेन्सी पूर्ण रूप से उत्तरदायी होगी।
- 13-अवमुक्त की जा रही धनराशि के 80 प्रतिशत व्यय करने के पश्चात ही आगामी किश्त स्वीकृत की जायेगी।
- 14- यदि स्वीकृत राशि में स्थल विकास कार्य सम्भव न हों तो कार्य कराने से पूर्व विस्तृत आगणन मानचित्र गठित कर शासन से स्वीकृति प्राप्त करनी होगी, स्वीकृत राशि से अधिक व्यय कदापि न किया जाय।
- 15- योजना पर पूर्व में स्वीकृत की गई धनराशि के शतप्रतिशत उपभोग के पश्चात ही अवमुक्त की जा रही धनराशि आहरित की जायेगी।
- 16-उपर्युक्त व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2005-06 में अनुदान सं०-13 के अंतर्गत लेखाशीर्षक"2215-जलापूर्ति तथा सफाई-01-जलापूर्ति- आयोजनागत -102- ग्रामीण जलापूर्ति कार्यक्रम-03-ग्रामीण पेयजल राज्य सैक्टर-00-20-सहायक अनुदान/अंशदान/ राजसहायता के नामे" डाला जायेगा।
- 17- यह आदेश वित्त विभाग की अशासकीय सं०- 124/XXVII(2)/2006 दिनांक 07 फरवरी, 2006 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(कुँवर सिंह)

अपर सचिव

प्रतिनिधि-निर्वाचित को सूचना एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित-
1. महालेखाकार, उत्तरांचल देहरादून।
2. महानगरपालिका, कुमायूँ मण्डल।
3. विभागाधिकारी, देहरादून।
4. वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
4. मुख्य महाप्रबन्धक, उत्तरांचल जल संस्थान।
6. वित्त अनुभाग-2/वित्त(बजट सेल)/नियोजन प्रकोष्ठ, उत्तरांचल।
7. निजी सचिव, माओ मुख्यामंत्रि उत्तरांचल।
8. एकाधिकार-मुख्य सचिव, उत्तरांचल शासन को मुख्य सचिव महादेव
के अवलोकनार्थ।
10-माओ मुख्यामंत्रि कार्यालय-चौधवा अनुभाग।
9. निदेशक, सूचना एवं लोक सम्पर्क निदेशालय, देहरादून।
10. निदेशक, एनओआइओ सचिवालय पर्सिम, देहरादून।
11. गार्ड फाइल।

आशा है,

(सुनील श्री पाथरी)
आज सचिव